मैथिली (अनिवार्य भाषा) 50 अंक

Part-I (Sc. Arts, Com.) Page No.:

Date: 7/5/2020

Lecture No. 23

Unit - 12

डॉ० अरविन्द झा
सहायक प्राध्यापक
मैथिली विभाग
मारवाड़ी महाविद्यालय
दरभंगा
मो.- 9040201409

कविता-संग्रह

'तिरहुति प्रशंसा' कवीश्वर चन्दा झा

कवीश्वर चन्दा झा 'मिथिला-भाषा रामायण' क रचना कए साहित्यमे अमर भए गेल छथि। ई नवयुगक प्रवर्तक मानल जाइत छथि। रामायणक अतिरिक्त ई अनेको स्फुट पदक रचना कयलनि, जाहिमे महादेवक गीत आ दरभंगाक वर्णन आदि। हुनक जन्म 1831 ई० मे भेलनि एवं निधन 1907 ई० मे भेलनि।

कवीश्वर चन्द्र झा विशुद्ध मैथिल छलाह तें अपन मातृभूमिक प्रशंसा करबाक हेतु 'तिरहुति प्रशंसा' लिखने छथि। ई एहन भूमि अछि जतय मा जानकीक जन्म भेल छलनि। मिथिला अनेक विद्वानक जन्मभूमि रहल। एतय अनेक पुत्र रत्न एवं दरभंगाक महान विभूति जन्म लेलनि। तें अपन मातृभूमिक प्रति अनुराग सर्वथा ओ जे उचित बुझि पड़य

से ककरो अपन कर्त्तव्य स करबानो चूकल नहि
हेबाक चाही।

"जानकीक जन्मभूमि नाम तिरहुति।
अनेक दर्शनक विमल धर्मस विभूति॥
विवेक आन तत्व-निष्ठ योग योग्य भूमि।
विद्वज्जन केर हाट आब की रहैछ घूमि॥
गण्डकी नदी प्रतीचि पुण्यधारि मास।
प्राची देश ईश-शीश-वासिनी विलास॥
तिरहुतक विवेक सर्वेश

ध्यान अछि जे सगरे देश क सभ मान करैत अछि। सभ पूजा करैछ। अपन पूर्वजक नीक काज सभ के स्मरण राखु। विधर्मी सभ के नाश कऽ, आब सूतला स कार्य नहि चलत। ई स्थान प्रजापति क पिता देवाधिदेव महादेवक माथ पर विराजमान गंगा एहि क्षेत्रक दक्षिण सीमा मे बहैत अछि। पूर्व कौशिकी (कोसी) भयंकर धार बहैत अछि। एकर उत्तर मे सर्वोच्च पर्वतराज हिमालय वास करैत छथि आ पश्चिम मे गण्डकी नदी बहैत छथि। संगहि राजा विदेहक राज्य सेहो छल। सभ देवि-देवता सँ निवेदन जे एहि मिथिला भूमि के अक्षुण्ण राखथि। सदैव ईश्वरक कृपा बनल रहल अछि आ आगूओ बनल रहत से कामना, प्रार्थना। तिरहुतक लोक सभ सम्पूर्ण विश्व मे अपन नाम रोशन कऽ रहल छथि आ संगहि मिथिला नाम सेहो उच्च करैत छथि। अपन ज्ञानक बल पर सर्वत्र पूजित होइत छथि। एहि क्षेत्रक

मस्तक ऊँच करबा मे सबहक सहयोग चाही।
आब सबहक हृदय प्रश्न नहितऽ हजारक
हजार वर्ष सँ अर्जित कएल मान-सम्मान
क्षण मे विलुप्त भऽ जायत।

वस्तुतः कवीश्वर चन्दा झा
एहि काव्यक माध्यमे जनके अपन मातृभूमिक
प्रशंसा कहैत, सबके एहि ठामक
जनमानस के अपन कर्तव्यक प्रति
सचेतर रहबाक स्मरण सेहो देल।
वास्तव मे कोनो क्षेत्र नाम ओहि ठामक
रहनिहारक कर्म पर निर्भर करैत अछि।
ओ जेहन कार्य करनाइ हुनक क्षेत्रक
ओहने नाम होइत।

———— x ————

डॉ० अरविन्द झा
मो- ८०४०२०९४०५